भगवान के डाकिए

1.भगवान के डाकिए’ के रचयिता कौन हैं?

(i) रामदरश मिश्र

(ii) हरिशंकर परसाई

(iii) भगवती चरण वर्मा

(iv) रामधारी सिंह ‘दिनकर’

2.इनके संदेश को कौन पढ़ सकते हैं?

(a) संसार में रहने वाले सभी लोग

(b) सभी बुद्धिमान व्यक्ति

(c) सभी जीव जंतु

(d) पेड़, पौधे, सरोवर-सरिताएँ, समुद्र व पर्वत यानी प्रकृति

3.भगवान के डाकिए इस संसार को क्या संदेश देना चाहते हैं?

(a) आपसी प्रेम का

(b) विश्वबंधुत्व का

(c) भेद-भाव न करने का

(d) निरंतर आगे बढ़ने का

4.एक देश की धरती द्वारा भेजा गया सौरभ दूसरे देश की धरती तक कैसे पहुँचता है?

(a) हवा से

(b) फूल से

(c) धूल से

(d) सुगंध

5.‘भगवान के डाकिए’ द्वारा लाई गई चिट्ठियों को कौन नहीं पढ़ सकता है?

(a) इंसान

(b) पेड़-पौधे

(c) पानी

(d) पहाड़

पक्षी और बादल,

ये भगवान के डाकिए हैं,

जो एक महादेश से

दूसरे महादेश को जाते हैं।

हम तो समझ नहीं पाते हैं

मगर उनकी लाई चिट्ठियाँ

पेड़, पौधे, पानी और पहाड़ बाँचते हैं।

1.कवि और कविता का नाम लिखिए।

2.भगवान के डाकिए किसे कहा गया है?

3.कवि ने डाकिए किन्हें और क्यों कहा है ?

4.पक्षी व बादलों के संदेश, कौन पढ़ने में सक्षम होते हैं?

5.इनकी लाई चिट्ठियाँ हमें क्या संदेश देती हैं ?

Question 1:  
कवि ने पक्षी और बादल को भगवान के डाकिए क्यों बताया हैं? स्पष्ट कीजिए।

Question 2:  
पक्षी और बादल द्वारा लाई गई चिट्ठियों को कौन-कौन पढ़ पाते हैं? सोच कर लिखिए।

Question 3:  
किन पंक्तियों का भाव है :  
(क) पक्षी और बादल प्रेम, सद्भाव और एकता का संदेश एक देश से दूसरे देश को भेजते हैं।  
(ख) प्रकृति देश-देश में भेद भाव नहीं करती। एक देश से उठा बादल दूसरे देश में बरस जाता है।

Question 4:  
पक्षी और बादल की चिट्ठियों में पेड़-पौधे, पानी और पहाड़ क्या पढ़ पाते हैं?

Question 5:  
”एक देश की धरती दूसरे देश को सुगंध भेजती है” – कथन का भाव स्पष्ट कीजिए।

Question 6:  
पक्षियों और बादल की चिट्ठियों के आदान-प्रदान को आप किस दृष्टि से देख सकते हैं?

Question 7:  
आज विश्व में कहीं भी संवाद भेजने और पाने का एक बड़ा साधन इंटरनेट है। पक्षी और बादल की चिट्ठियों की तुलना इंटरनेट से करते हुए दस पंक्तियाँ लिखिए।

Question 8:  
‘हमारे जीवन में डाकिए की भूमिका’ क्या है? इस विषय पर दस वाक्य लिखिए।